कोई एक व्यक्ति मेरा रोल मॉडल नहीं : सभरवाल

बड़ी जिम्मेदारियां संभालने वालों के लिए अपने लिए वक्त निकालना मुश्किल होता है।

एसएलसीएम के सीईओ संदीप सभरवाल कामकाज के बोझ के बावजूद अपनी हॉबी और फैमिली के लिए वक्त निकाल लेते हैं...

संदीप सभरवाल,
सीईओ, एसएलसीएम
से विशेष बातचीत

- वीकेंड परिवार के साथ बिताना पसंद करते हैं सभरवाल
- वाइल्ड लाइफ और वाटर स्पोर्ट्स के ऑप्शंस वाली जगह पर मनाते हैं छुट्टियां
- ख्वाब के हकीकत में पूरा होने से मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा
- सरकारी बॉन्ड्स में इनवेस्ट करते हैं अपनी सेविंग्स के पैसे
- पूरे एशियाई महाद्वीप में मौजूदगी वाली कंपनी का हेड बनने की है तमन्ना

बिजनेस में वही कामयाब होता है, जिसके पास मौके पहचानने का हुनर हो। एसएलसीएम के सीईओ संदीप सभरवाल ने यह हुनर काफी पहले सीख लिया था। देश में वेयरहाउसिंग मैनेजमेंट सर्विसेज की अच्छी डिमांड को देखते हुए उन्होंने एसएलसीएम की स्थापना की। आज कंपनी किसानों को प्रोक्योरमेंट, स्टोरेज और फाइनेंसिंग जैसी सेवाएं दे रही है। हाल में उसने चेन्नई की एनबीएफसी बी पी जैन फाइनेंस एंड इनवेस्टमेंट का अधिग्रहण किया है। इससे एसएलसीएम फार्म प्रोडक्ट्स के एवज में किसानों को कर्ज देगी। एसएलसीएम की अच्छी ग्रोथ का श्रेय सभरवाल की जबर्दस्त प्लानिंग और उनके तेज दिमाग को जाता है। उन्हें नए आइडियाज कहां से आते हैं? उनका रोल मॉडल कौन है? व्यस्त दिनचर्या के बीच खुद को हमेशा तरोताजा रखने के लिए वह क्या करते हैं?

बिजनेस भास्कर ने इन सवालों के जवाब जानने के लिए सभरवाल से बातचीत की।

आप बिजनेस में कैसे आए?

पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद मैंने फैमिली बिजनेस ज्वाइन किया। 9 साल के बाद मुझे महसूस हुआ कि देश में वेयरहाउसिंग सेवाओं की काफी कमी है। इसके बाद मैंने वेयरहाउसिंग मैनेजमेंट सर्विसेज के लिए कंपनी बनाई।

आगे बढ़ने की प्रेरणा कहां से मिलती है?

मेरा मानना है कि एक सपना पूरा हो जाने पर दिमाग में नया ख्वाब आने लगता है। फिर मैं उसे पूरा करने में लग जाता हूं। इस तरह आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती रहती है। जब मैंने यह वेंचर शुरू किया, तब मुझे किसी तरह की संस्थागत मदद उपलब्ध नहीं थी। इसके बावजूद मेरा सपना विश्व स्तरीय, तकनीकी रूप से आधुनिक और बड़ी एग्री मैनेजमेंट कंपनी शुरू करने का था। आज यह देखकर मैं काफी खुश हूं कि मेरा सपना काफी हद तक हकीकत में बदल चुका है। एसएलसीएम देश की सबसे बड़ी एग्री वेयरहाउसिंग सर्विसेज कंपनियों में से एक है।

आप व्यस्त दिनचर्या के बीच खुद को तरोताजा रखने के लिए क्या करते हैं?

मुझे खाली वक्त कम ही मिलता है। लेकिन, जब भी मुझे वक्त मिलता है, उसे परिवार के साथ बीताना चाहता हूं। इससे मुझे काम के लिए खुद को हमेशा तरोताजा रखने में मदद मिलती है।

आपकी हॉबी क्या है?

पहले मैं स्क्वाश खेलता था। लेकिन, अब मैं साइक्लिंग करता हूं। इससे मुझे एनर्जी मिलती है।

छुट्टियां बिताने के लिए आपकी पसंदीदा जगह कौन सी है?

मैं वहां जाना पसंद करता हूं, जहां मेरे बेटे के मनोरंजन के लिए ज्यादा ऑप्शंस मौजूद हों। इस तरह मैं ज्यादातर वाइल्ड लाइफ और वाटर स्पोर्ट्स के ऑप्शंस वाली जगहों पर जाता हूं।

आप अपनी फैमिली के लिए कितना वक्त निकाल लेते हैं?

मैं वीकेंड परिवार के साथ बिताना पसंद करता हूं। रविवार का दिन मैंने इसके लिए रिजर्व कर दिया है। उस दिन मैं कोई और काम नहीं करता।

आपका रोल मॉडल कौन है?

कोई एक व्यक्ति मेरा रोल मॉडल नहीं है। लेकिन, मैं ऐसे कई लोगों से प्रभावित हूं, जो अपने-अपने फील्ड में शानदार परफॉर्मेंस कर रहे हैं।

5 साल बाद खुद को कहां देखना चाहते हैं?

मैं खुद को ऐसी प्रोफेशनली मैनेज्ड कंपनी के हेड के रूप में देखना चाहता हूं, जिसकी पूरे एशिया में मौजूदगी हो। यह कंपनी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होगी। इसके लिए सही प्लानिंग काफी अहम है। पहले से हमारे पास स्ट्रॉन्ग और प्रोफेशनल टीम है। हम इस टीम का विस्तार कर रहे हैं। हम आने वाले महीनों में विदेश में अपनी पहली ब्रांच खोलने जा रहे हैं। आज एसएलसीएम उन कंपनियों में से एक है, जिसे काफी संस्थागत मदद मिल रही है। एसएलसीएम अपने प्रोसेस सिस्टम का पेटेंट कराने वाली दुनिया की कुछ कंपनियों में से एक है। ये चीजें हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

अपनी सेविंग्स कहां इनवेस्ट करते हैं?

मैं एफडीआर और गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के बॉन्ड्स जैसे फिक्स्ड रिटर्न इंस्ट्रूमेंट्स में इनवेस्ट करना पसंद करता हूं।

> आज यह देखकर मैं काफी खुश हूं कि मेरा सपना काफी हद तक हकीकत में बदल चुका है। एसएलसीएम देश की बड़ी एग्री वेयरहाउसिंग सर्विसेज कंपनियों में से एक है

> मैं ऐसे कई लोगों से प्रभावित हूं, जो अपने-अपने फील्ड में शानदार परफॉर्मेंस कर रहे हैं। वे मेरे लिए प्रेरणास्रोत हैं

...संदीप सभरवाल